



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2012

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages.
 2. Read the instruction to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
-

भाग क

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

परिश्रमी किसान

लालोरा गाँव में रामशरण नाम का एक किसान रहता था। वह बड़ा ही परिश्रमी था। वह अपने सब्जी के खेतों में सदा काम करता था। कभी जुताई करता, कभी निराई, तो कभी सिंचाई। जो भी उधर से गुजरता उसकी लहलहाती फसल को देखने के लिए अवश्य रुकता रामशरण दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करने लगा। उसी गाँव में रंजीत और रूपलाल नाम के दो आलसी किसान रहते थे। उनके आलस्य के कारण उनके खेतों में अच्छी पैदावार नहीं हो पाती थी। रामशरण की आर्थिक प्रगति को देख उन्हें ईर्ष्या होने लगी। वे पीठ पीछे रामशरण की निंदा करते रहते। वे गाँववालों से कहते फिरते थे कि रामशरण अपने खेत में जादू टोना करता है। उन्होंने यह तय किया कि या तो वे रामशरण से जादू टोना सीखेंगे या उसे जादू टोना छुड़ाएँगे। एक दिन रामशरण अपने दो बेटों के साथ खेत में निराई कर रहा था कि रंजीत और रूपलाल कुछ किसानों को लेकर खेत में घुस आए। रूपलाल ने कड़ी आवाज़ में कहा, “रामशरण तुम अपने खेत में जादू टोना करते हो।” इस बात पर रामशरण को हँसी आई। रूपलाल आग बबूला हो उठा। वह बोला “एक तो तुम जादू टोना करते हो और ऊपर से हँसते हो।” रामशरण शांत भाव से बोला “मुझे तुम लोगों की मूर्खता पर हँसी आती है। मानता हूँ कि मैं जादू करता हूँ। रोज़ मैं तुम्हारे सामने सामने जादू करता हूँ परन्तु तुम सीखते ही नहीं।”

किसान चकित हो गए। रामशरण की बात समझ में नहीं आई तो उसने समझाया “मेरे जादू का नाम परिश्रम है। सरदी हो या गरमी धूप हो या वर्षा, मैं सूर्योदय से पहले खेत में आ जाता हूँ। शाम को देर तक काम करता हूँ। शनिवार को मेरे बेटे भी मेरी सहायता करते हैं। परिश्रम ही मेरा जादू है।”

रूपलाल और रंजीत बड़े लज्जित हुए। कुछ कहे बिना ही वे वापस चले गए। दूसरे दिन जब रामशरण मुँह अँधेरे खेत जा रहा था तो उसने रूपलाल और रंजीत को अपने अपने खेत में काम करते पाया।

- १.१ रामशरण कहाँ रहता था । (२)
- १.२ “जाड़ू टोना ।” अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए । (६)
- १.३ निम्नलिखित वाक्य को भूत काल में लिखिए :
रोज मैं तुम्हारे सामने सामने जादू करता हूँ । (४)
- १.४ अपने शब्दों में समझाइए ।
१.४.१ चकित हो गए ।
१.४.२ आग बबूला । (६)
- १.५ विलोल शब्द लिखिए ।
१.५.१ शांत १.५.२ धूप १.५.३ मूर्खता १.५.४ शाम (८)
- १.६ समानार्थी शब्द लिखिए :
१.६.१ दिन १.६.२ काम (४)

[३०]

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

कमरे को साफ कर झाड़ू पर कूड़ा रखे जब बिन्दू कमरे से बाहर निकला , तो बरामंडे में बैठी मालती का ध्यान उसकी ओर अनायास ही चला गया ।

उसने देखा कि एक हाथ में झाड़ू है , पर दूसरे हाथ की मुट्ठी बँधी है और कुछ पीछे की ओर जान-बुझकर आड़ में कर ली गई है । मालती को लगा कि हो,न ,हो , कमरे में से बिन्दू कुछ लाया है । उसने कहा, “बिन्दू ?”

दो कदम पर बिन्दू ,पर मानो उसने मालती की आवाज़ सुनी न हो । वह चलता ही गया,बल्कि मालती ने देखा कि उसकी पुकार पर बिन्दू की चाल में कुछ तेजी आ गई है । गुस्से में भरकर उसने कहा ,“बिन्दू ! ओ बिन्दू ! ठहर,कहाँ जाता है ?”

इतना कहना था कि बिन्दू तो दौड़ने लगा और वह गया । मालती के सन्देह की पुष्टि के लिए यह सब काफी था । उस ने तेजी के साथ कहा .

“सुनते हो जी .बिन्दू कुछ लिए जा रहा है । जल्दी जाओ ।”

नन्दन पास के कमरे में बैठा अपने पत्र के लिए कुछ लिख रहा था । मालती का यों चिल्लाना उसे अच्छा नहीं लगा और उसने चाहा की टाल दें,पर मालती माने तब न । एक सन्नाटे में वह कमरे में आ गई और बोली,

“झटपट उठो । देखो,बिन्दू मुट्ठी में दबाए कुछ ले गया है ।”

नन्दन ने कलम एक ओर रख दी और जैसे किसी ने जबर्दस्ती पकड़कर

उठा लिया हों वह उठा । कमरे से बाहर आया तो देखता क्या है कि बिन्दू लौटकर आ रहा

है । एक हाथ में झाड़ू है,दूसरा रीता है और नीचे लटका

है । उसे देखते ही मालती उबल पड़ी,क्यों रे बिन्दू के बच्चे,मैं गला फाड़ती रही और तू रुका तक नहीं । बोल हाथ में क्या ले गया था ?

[१०]

भाग ग

प्रश्न ३

३.१ निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

जब करोड़ों की नज़रें आप पर हों तो...

हर इमोशन दिलो-दिमाग को निचोड़ देता था...

बिना डूप्लिकेट के फाइट सीन्स... शरीर जवाब दे जाता था...

शिफ्ट पर शिफ्ट काम... नींद गायब...

तनाव

सिरदर्द

थकान

अनिद्रा

“...एक चमत्कार ने ३५ सालों से मेरा साथ निभाया- नवरत्न तैल”

Krishna Bhasin

करोड़ों के दिल का शहंशाह अमिताभ। एक बेशकीमती नगमा। कितना तनाव... कितनी भागदौड़? कैसे रखता है वह अपने आपको शान्त और तरोताजा। “मेरी थकती नसों को ठंडक और आराम देता रहा है- नवरत्न तैल। सिरदर्द, टेंशन, बदनदर्द और अनिद्रा ऐसे गायब जैसे कोई चमत्कार”। केसूत, ब्राह्मी, पुदीना फूल आदि नौ असरदार जड़ीबूटियों का एक अनमोल मिश्रण। बालों के लिए भी अमूला! ठंडा-ठंडा, कूल-कूल नवरत्न तैल आपकी दुनिया ही बदल देगा।

हिमाली नवरत्न तैल

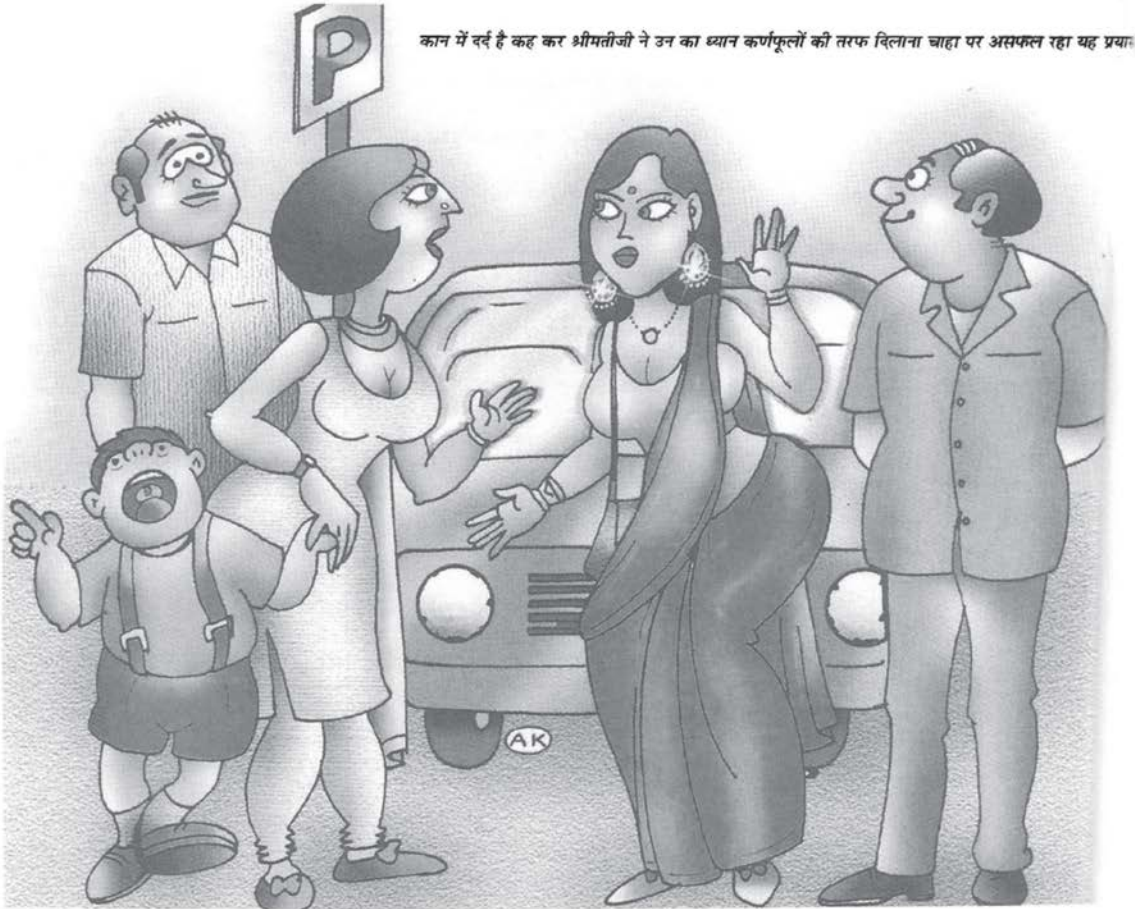
टंडा टंडा टंडा

- ३.१.१ यह एक चलचित्र या तैल का विज्ञापन है ? (२)
- ३.१.२ “...एक चमत्कार ने ३५ सालों से मेरा साथ निभाया – नवरत्न तैल” :
- ३.१.२.१ किस के साथ निभाया ? (२)
- ३.१.२.२ ये क्यों बड़े अक्षरों में है ? (२)
- ३.१.२.३ यह वाक्य आप में क्या जाग्रित करता है ? (४)
- ३.१.३ बोलिवाड का अभिनेता क्यों चुना गया है ? (४)
- ३.१.४ “तनाव , सरदर्द , थकान, अनिद्रा” इन चार शब्द किस के साथ विज्ञापन में प्रयोग किया जाता है और बताओं क्यों ? (४)
- ३.१.५ तीन भावात्मक शब्द विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनके भावना भी बताई? (६)

[२४]

प्रश्न ४

निम्नलिखित चित्र को ध्यान पूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।



- ३.२.१ इस चित्र को उचित शीर्षक दीजिए । (३)
- ३.२.२ चित्र को देखकर आप क्या सोचते हैं निम्नलिखित शब्द के अनुसार लिखिए
- ३.२.२.१ भावना : (२)
- ३.२.२.२ घटना : (२)
- ३.२.३ जगह के अनुसार यह लोग कौन हैं । (२)
- ३.२.४ निम्नलिखित प्रश्नों चित्र के अनुसार उत्तर का कारण दीजिए ।
- ३.२.४.१ क्या बच्चा खुश है ? (४)
- ३.२.४.२ पुरुषों के चहरे कैसे हैं ? (३)

[१६]

Total: 80 marks